UGC NET Paper= 2.. Sanskrit

Filler Form

YouTube

🎯JRF का जलवा 🔥🏆

पुराणेतिहास, धर्मशास्त्र ,एवं अभिलेखशास्त्र सामान्य परिचय

UNIT=9

Daily = 6 pm

Class-46

By=NIDHU CHAUDHARY

B.A., M.A., P.G.D.C.A., now Ph.d running

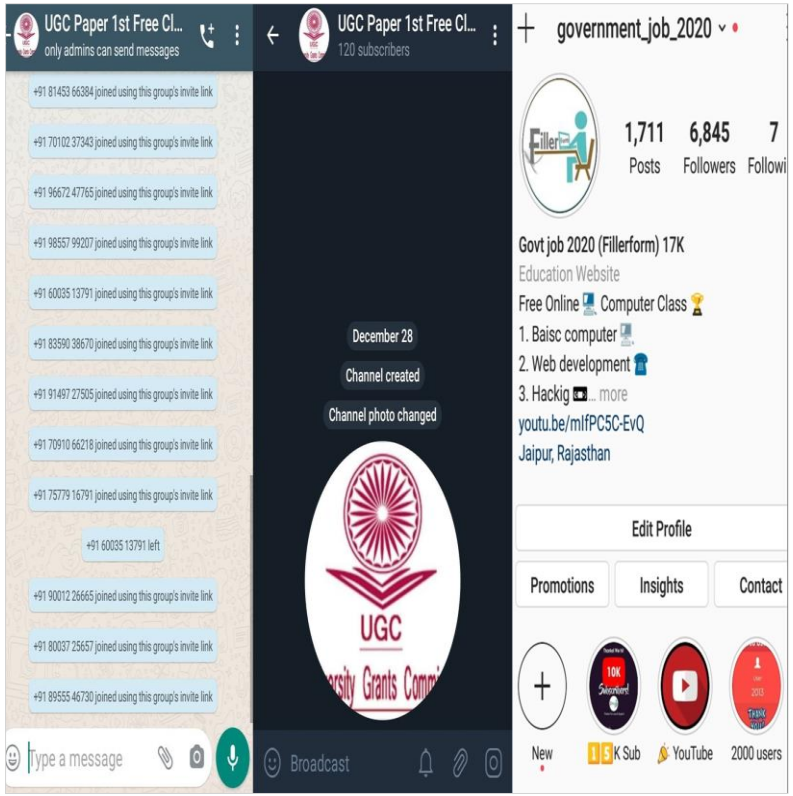
UGC Paper 1st Free Cl...
only admins can send messages
UGC Paper 1st Free Cl...
120 subscribers
government_job_2020
1,711 Posts
6,845 Followers
Govt job 2020 (Fillerform) 17K
Education Website
Free Online Computer Class
1. Baisc computer
2. Web development
3. Hackig ... more
youtu.be/mIfPC5C-EvQ
Jaipur, Rajasthan
Edit Profile
Promotions
Insights
Contact
December 28
Channel created
Channel photo changed
Type a message
Broadcast
New
10K Sub
YouTube
2000 users

Filler Form
LATEST UPLOADS
UGC NET Paper 1st
Teaching Aptitude
"Level of Teaching"
LEARNING MATERIAL
Quizzes
Notes
Sample Papers
UGC NET 100%
Off Free Class
Free Notes
Live Class
100% OFF
5000+MCQ+PYQ
Free Books
fillerform

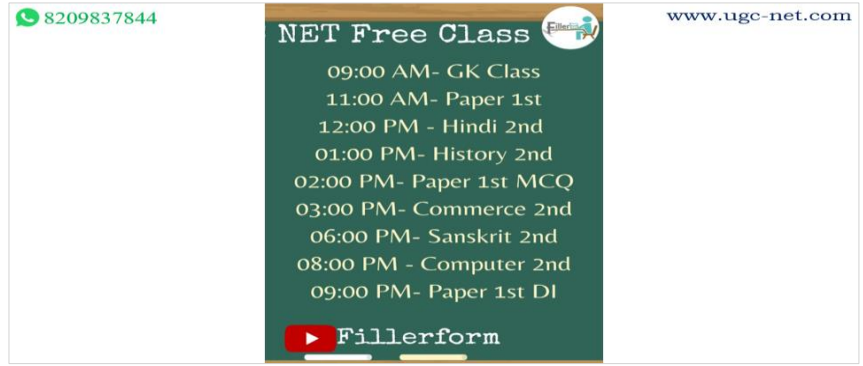
8209837844
NET Free Class
www.ugc-net.com
09:00 AM- GK Class
11:00 AM- Paper 1st
12:00 PM - Hindi 2nd
01:00 PM- History 2nd
02:00 PM- Paper 1st MCQ
03:00 PM- Commerce 2nd
06:00 PM- Sanskrit 2nd
08:00 PM - Computer 2nd
09:00 PM- Paper 1st DI
Fillerform

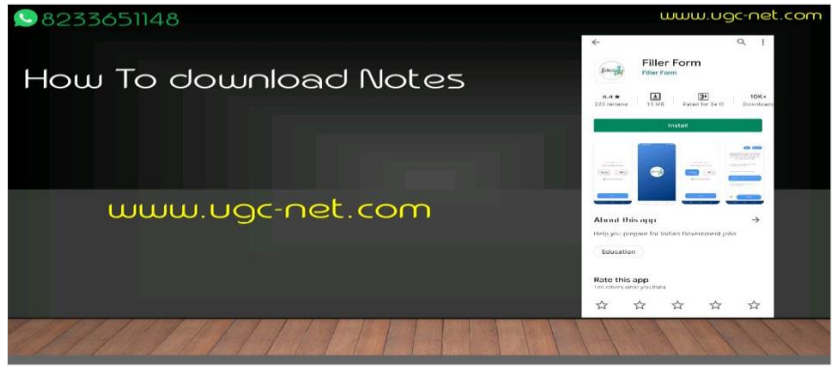
8233651148
www.ugc-net.com
How To download Notes
www.ugc-net.com

UGC NET PAPER = SANSKRIT...
JRF का जलवा
10 April 2022
Google Meet
Time = 6 pm
NIDHU CHAUDHARY
B.A., M.A., P.G.D.C.A., now Ph.d running

UGC Paper 1st Free Cl...
only admins can send messages

+91 81453 66384 joined using this group's invite link

+91 70102 37343 joined using this group's invite link

+91 96672 47765 joined using this group's invite link

+91 98557 99207 joined using this group's invite link

+91 60035 13791 joined using this group's invite link

+91 83590 38670 joined using this group's invite link

+91 91497 27505 joined using this group's invite link

+91 70910 66218 joined using this group's invite link

+91 75779 16791 joined using this group's invite link

+91 60035 13791 left

+91 90012 26665 joined using this group's invite link

+91 80037 25657 joined using this group's invite link

+91 89555 46730 joined using this group's invite link

Type a message

UGC Paper 1st Free Cl...
120 subscribers

December 28

Channel created

Channel photo changed

Broadcast

government_job_2020

1,711 Posts

6,845 Followers

7 Followi

Govt job 2020 (Fillerform) 17K

Education Website

Free Online Computer Class

1. Baisc computer

2. Web development

3. Hackig ... more

youtu.be/mIfPC5C-EvQ

Jaipur, Rajasthan

Edit Profile

Promotions | Insights | Contact

New

15K Sub

YouTube

2000 users

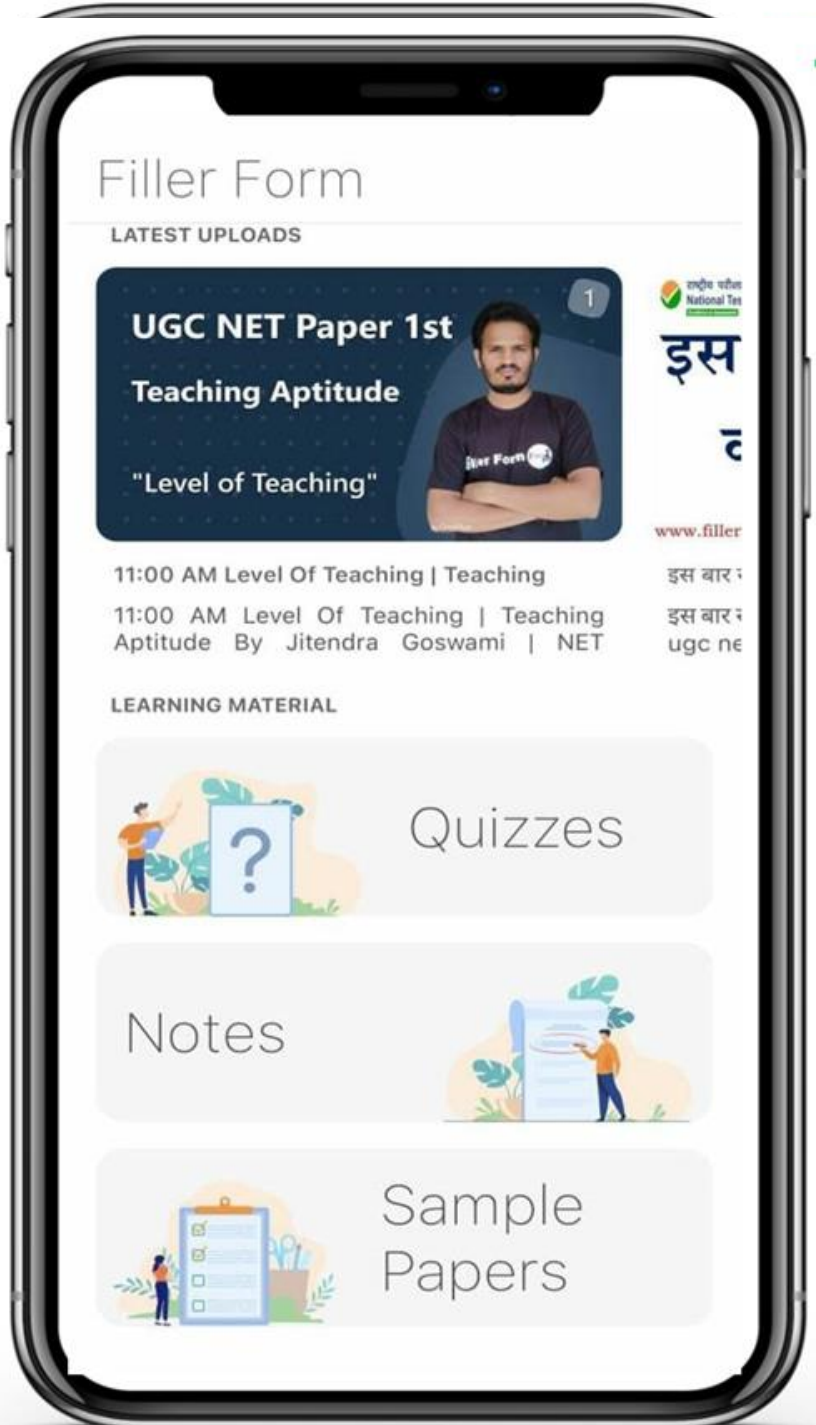

UGC NET 100% Off Free Class

Free Notes

Live Class

100% OFF

5000+MCQ+PYQ

Free Books

fillerform

8209837844

www.ugc-net.com

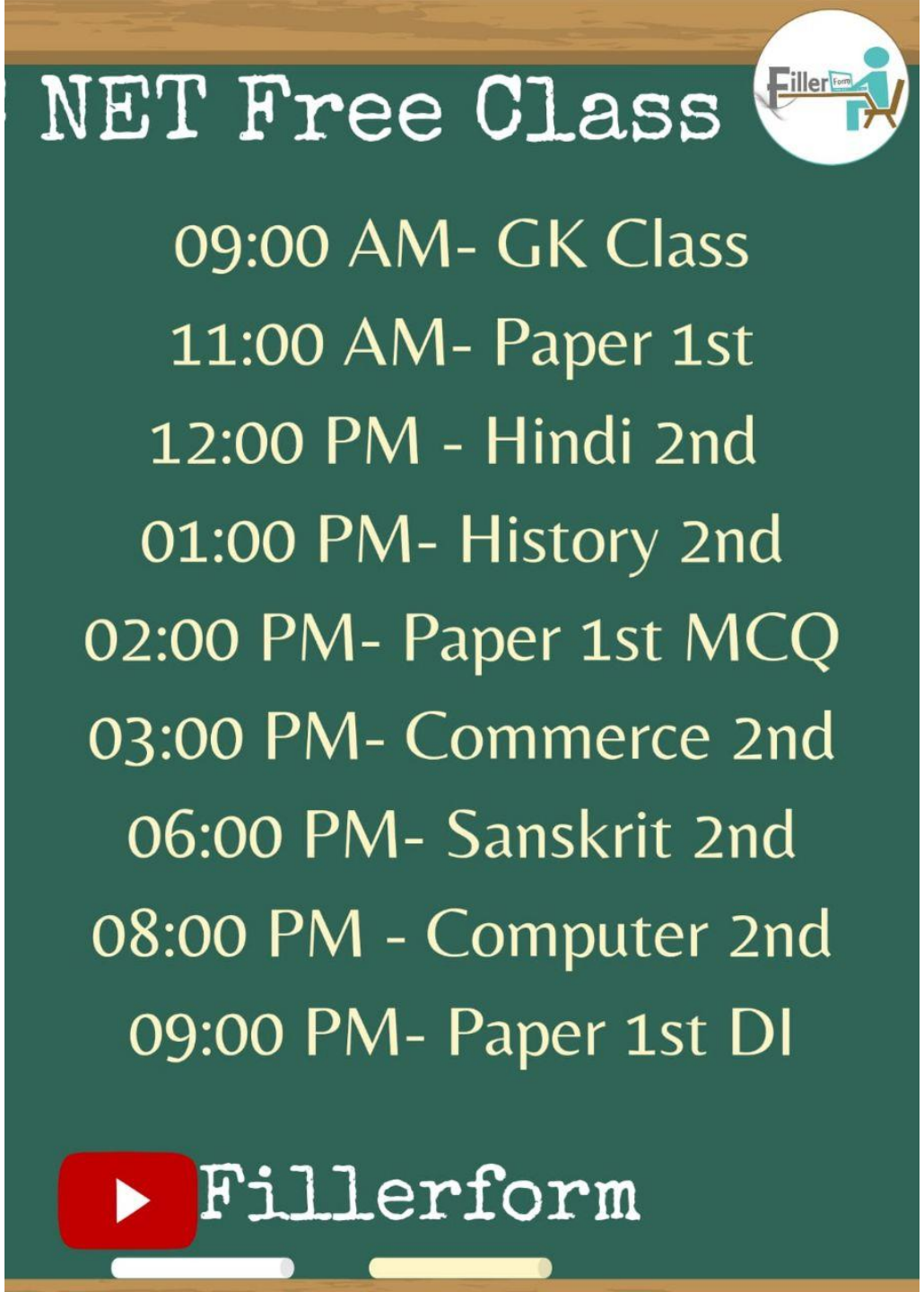

8233651148

www.ugc-net.com

How To download Notes

www.ugc-net.com

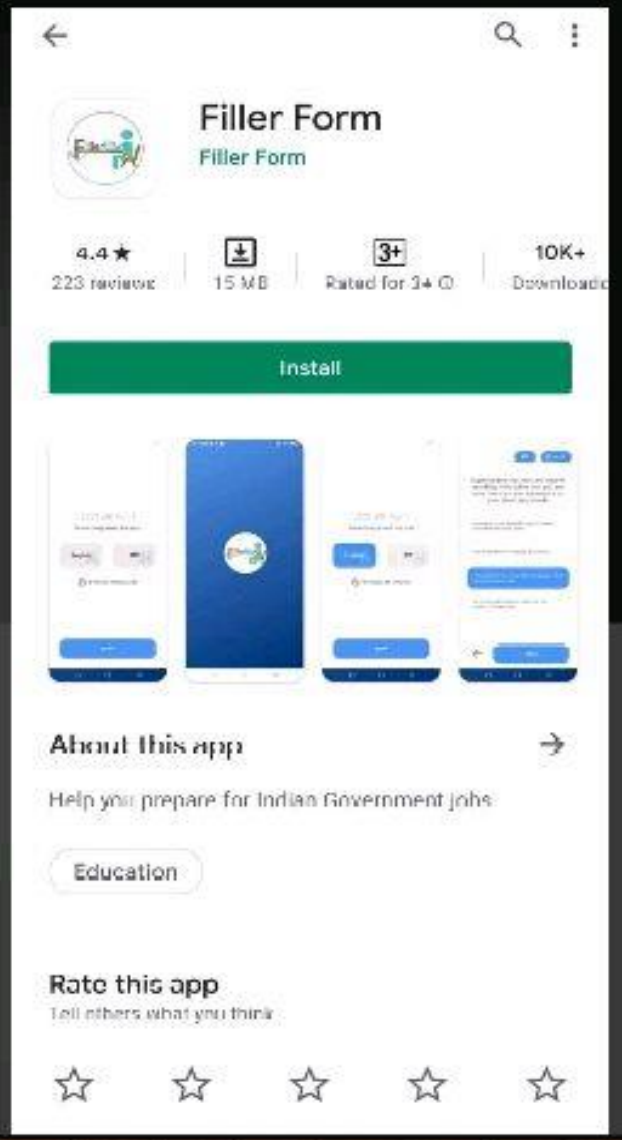

UGC NET PAPER = SANSKRIT...

🎯 JRF का जलवा 🔥 🏆

10 April 2022

Google Meet

Time =
6 pm

NIDHU CHAUDHARY

B.A., M.A., P.G.D.C.A., now Ph.d running

Join UGC NET Quiz

Join Free

www.ugc-net.com

Join UGC NET Quiz

- **09:30 AM- GK**
- **11:50 AM- Paper 1st**
- **02:50 PM- Paper 1st PYQ**
- **05:00 PM- 2nd Paper**
- **09:50 PM- Math MCQ**

www.ugc-net.com

8209837844

www.ugc-net.com

Home work Answer.....

5. पुराणशब्दस्य अर्थः -

(A) पौराणिकः

(B) प्राचीनः

(C) प्राचीनः यः नवीनः अस्ति

(D) निरर्थकं वस्तु

6. उपदेशप्रधानं भवति -

(A) वेदः

(B) पुराणम्

(C) कर्मकाण्डम्

(D) सांख्यदर्शनम्

Today's Topic...

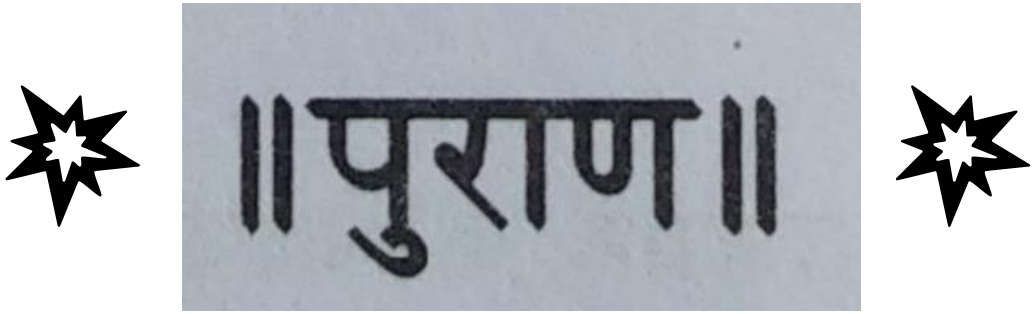

820983 net.com

पुराण के नाम और उनका महत्त्व-

(1) ब्रह्मपुराण-

इसे "आदिपुराण" भी कहा जाता है। प्राचीन माने गए सभी पुराणों में इसका उल्लेख है। इसमें श्लोकों की संख्या अलग- 2 प्रमाणों से भिन्न-भिन्न है। 10,000...12,000 और 13,787 ये विभिन्न संख्याएँ मिलती है। इसका प्रवचन नैमिषारण्य में 'लोमहर्षण' ऋषि ने किया था। इसमें सृष्टि, मनु की उत्पत्ति, उनके वंश का वर्णन, देवों और प्राणियों की उत्पत्ति का वर्णन है। इस पुराण में विभिन्न तीर्थों का विस्तार से वर्णन है। इसमें कुल 245 अध्याय हैं। इसका एक परिशिष्ट सौर उपपुराण भी है, जिसमें उडी़सा के 'कोणार्क' मन्दिर का वर्णन है।

8209837841 ugc-net.com

(2) **पद्मपुराण-**

इसमें कुल 641 अध्याय और 48,000 श्लोक हैं। मत्स्यपुराण के अनुसार इसमें 55,000 और ब्रह्मपुराण के अनुसार इसमें 59,000 श्लोक थे।

इसमें कुल खण्ड है-

(क) **सृष्टिखण्डः-** 5 पर्व,

(ख) **भूमिखण्ड,**

(ग) **स्वर्गखण्ड,**

(घ) **पातालखण्ड**

(ङ) **उत्तरखण्ड।**

इसका प्रवचन नैमिषारण्य में सूत उग्रश्रवा ने किया था। ये लोमहर्षण के पुत्र थे। इस पुराण में अनेक विषयों के साथ विष्णुभक्ति के अनेक पक्षों पर प्रकाश डाला गया है। इसका विकास 5 वीं शताब्दी माना जाता है।

8209837844 www.ugc-net.com

(3) विष्णुपुराण-

पुराण के पाँचों लक्षण इसमें घटते हैं। इसमें विष्णु को परम देवता के रूप में निरूपित किया गया है। इसमें कुल छः खण्ड हैं, 126 अध्याय, श्लोक 23,000 या 24,000 या 6,000 हैं। इस पुराण के प्रवक्ता 'पाराशर' ऋषि और श्रोता 'मैत्रेय' हैं।

8209837844 www.ugc-net.com

(4) वायुपुराण-

इसमें विशेषकर शिव का वर्णन किया गया है, अतः इस कारण इसे "शिवपुराण" भी कहा जाता है। एक शिवपुराण पृथक् भी है। इसमें 112

8209

net.com

अध्याय, 11,000 श्लोक हैं। इस पुराण का प्रचलन मगध-क्षेत्र में बहुत था। इसमें गया-माहात्म्य है। इसमें कुल चार भाग है-

(क) **प्रक्रियापादः-** (अध्याय-1-6),

(ख) **उपोद्घातः-** (अध्याय-7-64),

(ग) **अनुषङ्गपादः-** (अध्याय-65-99),

(घ) **उपसंहारपादः-** (अध्याय-100-112)।

इसमें सृष्टिक्रम, भूगोल, खगोल, युगों, ऋषियों तथा तीर्थों का वर्णन एवं राजवंशों, ऋषिवंशों, वेद की शाखाओं, संगीतशास्त्र और शिवभक्ति का विस्तृत निरूपण है। इसमें भी पुराण के पञ्चलक्षण मिलते हैं।

8209837844 www.ugc-net.com

(5) भागवतपुराण-

यह सर्वाधिक प्रचलित पुराण है। इस पुराण का सप्ताह-वाचन-पारायण भी होता है। इसे सभी दर्शनों का सार **"निगमकल्पतरोर्गलितम्"** और विद्वानों का परीक्षास्थल **"विद्यावतां भागवते परीक्षा"** माना जाता है। इसमें श्रीकृष्ण की भक्ति के बारे में बताया गया है। इसमें कुल 12 स्कन्ध, 335 अध्याय और 18,000 श्लोक हैं। कुछ विद्वान् इसे **"देवीभागवतपुराण"** भी कहते हैं, क्योंकि इसमें देवी (शक्ति) का विस्तृत वर्णन हैं। इसका रचनाकाल 6 वीं शताब्दी माना जाता है।

8209837844 www.ugc-net.com

(6) नारद (बृहन्नारदीय) पुराण-

इसे महापुराण भी कहा जाता है। इसमें पुराण के 5 लक्षण घटित नहीं होते हैं। इसमें वैष्णवों के उत्सवों और व्रतों का वर्णन है। इसमें 2 खण्ड है:-

(क) पूर्व खण्ड - (125 अध्याय)। **(ख) उत्तर-खण्ड-** (82 अध्याय)। इसमें 18,000 श्लोक हैं। इसके विषय मोक्ष, धर्म, नक्षत्र, एवं कल्प का निरूपण, व्याकरण, निरुक्त, ज्योतिष, गृहविचार, मन्त्रसिद्धि,, वर्णाश्रम-धर्म, श्राद्ध, प्रायश्चित्त आदि का वर्णन है।

8209837844 www.ugc-net.com

(7) मार्कण्डेयपुराण-

इसे प्राचीनतम पुराण माना जाता है। इसमें इन्द्र, अग्नि, सूर्य आदि वैदिक देवताओं का वर्णन किया गया है। इसके प्रवक्ता 'मार्कण्डेय' ऋषि और श्रोता 'क्रौष्टुकि' शिष्य हैं। इसमें 138 अध्याय और 7,000 श्लोक हैं। इसमें गृहस्थ-धर्म, श्राद्ध, दिनचर्या, नित्यकर्म, व्रत, उत्सव, अनुसूया की पतिव्रता-कथा, योग, दुर्गा-माहात्म्य आदि विषयों का वर्णन है।

(8) अग्निपुराण-

इसके प्रवक्ता '**अग्नि**' और श्रोता '**वसिष्ठ**' हैं। इसी कारण इसे अग्निपुराण कहा जाता है। इसे भारतीय संस्कृति और विद्याओं का महाकोश माना जाता है। इसमें इस समय 383 अध्याय, 11,500 श्लोक हैं। इसमें विष्णु के अवतारों का वर्णन है। इसके अतिरिक्त शिवलिंग, दुर्गा, गणेश, सूर्य, प्राणप्रतिष्ठा आदि के अतिरिक्त भूगोल, गणित, फलित-ज्योतिष, विवाह, मृत्यु, शकुनविद्या, वास्तुविद्या, दिनचर्या, नीतिशास्त्र, युद्धविद्या, धर्मशास्त्र, आयुर्वेद, छन्द, काव्य, व्याकरण, कोशनिर्माण आदि नाना विषयों का वर्णन है।

8209837844 www.ugc-net.com

(9) भविष्यपुराण-

इसमें भविष्य की घटनाओं का वर्णन है। इसमें दो खण्ड हैः–

(क) पूर्वार्ध- (अध्याय-41), **(ख) उत्तरार्ध-** (अध्याय-171)।

इसमें कुल 15,000 श्लोक हैं। इसमें कुल 5 पर्व हैः-**(क) ब्राह्मपर्व, (ख) विष्णुपर्व, (ग) शिवपर्व, (घ) सूर्यपर्व (ङ) प्रतिसर्गपर्व।** इसमें मुख्यतः ब्राह्मण-धर्म, आचार, वर्णाश्रम-धर्म आदि विषयों का वर्णन है। इसका रचनाकाल 500 ई. से 1200 ई. माना जाता है।

8209837844 www.ugc-net.com

(10) ब्रह्मवैवर्तपुराण-

यह 'वैष्णव' पुराण है। इसमें श्रीकृष्ण के चरित्र का वर्णन किया गया है। इसमें कुल 18,000 श्लोक है और चार खण्ड है:-

(क) ब्रह्म, (ख) प्रकृति,

(ग) गणेश (घ) श्रीकृष्ण-जन्म।

8209837844 www.ugc-net.com

(11) लिङ्गपुराण-

इसमें शिव की उपासना का वर्णन है। इसमें शिव के 28 अवतारों की कथाएँ दी गईं हैं। इसमें 11,000 श्लोक और 163 अध्याय हैं। इसे पूर्व और उत्तर नाम से दो भागों में विभाजित किया गया है। इसका रचनाकाल आठवीं-नवीं शताब्दी माना जाता है। यह पुराण भी पुराण के लक्षणों पर खरा नहीं उतरता है।

8209837844 www.ugc-net.com

(12) वराहपुराण-

इसमें विष्णु के वराह-अवतार का वर्णन है। पाताललोक से पृथिवी का उद्धार करके वराह ने इस पुराण का प्रवचन किया था। इसमें 24,000 श्लोक थे। सम्प्रति केवल 11,000 ही प्राप्त होते हैं और 217 अध्याय हैं।

82098 net.com

(13) स्कन्दपुराण-

यह पुराण शिव के पुत्र स्कन्द (कार्तिकेय, सुब्रह्मण्य) के नाम पर है। यह सबसे बडा पुराण है। इसमें कुल 81,000 श्लोक हैं। इसमें दो खण्ड हैं। इसमें छः संहिताएँ हैं- **सनत्कुमार, सूत, शंकर, वैष्णव, ब्रह्म तथा सौर**। सूतसंहिता पर 'माधवाचार्य' ने **"तात्पर्य-दीपिका"** नामक विस्तृत टीका लिखी है। इस संहिता के अन्त में दो गीताएँ भी हैं-

1. **ब्रह्मगीता**- (अध्याय-12), 2. **सूतगीता**- (अध्याय-8)।

इस पुराण में सात खण्ड हैं-

(क) माहेश्वर, **(ख) वैष्णव,**

(ग) ब्रह्म, **(घ) काशी,**

8209837844 www.ugc-net.com

(ङ) अवन्ती, (रेवा), (च) नागर (ताप्ती)

(छ) प्रभास-खण्ड।

काशीखण्ड में **"गंगासहस्रनाम"** स्तोत्र भी है। इसका रचनाकाल 7 वीं शताब्दी है। इसमें भी पुराण के 5 लक्षण का निर्देश नहीं मिलता है।

8209837844 www.ugc-net.com

(14) वामनपुराण-

इसमें विष्णु के वामन-अवतार का वर्णन है। इसमें 95 अध्याय और 10,000 श्लोक हैं । इसका रचनाकाल 9 वीं से 10 वीं शताब्दी माना जाता है। इसमें शिव महात्म्य, शैव तीर्थ, उमा-शिव विवाह, गणेश उत्पत्ति, कार्तिकेय चरित इत्यादि वर्णन हैं

82098 net.com

(15) कूर्मपुराण-

इसमें विष्णु के कूर्म-अवतार का वर्णन किया गया है। इसमें चार संहिताएँ है-

(क) ब्राह्मी, **(ख) भागवती,**

(ग) सौरी **(घ) वैष्णवी ।**

सम्प्रति केवल ब्राह्मी-संहिता ही मिलती है। इसमें 6,000 श्लोक हैं। इसके दो भाग हैं, जिसमें 51 और 44 अध्याय हैं। इसमें पुराण के पाँचों लक्षण मिलते हैं। इस पुराण में **'ईश्वरगीता'** और **'व्यासगीता'** भी है। इसका रचनाकाल छठी शताब्दी माना गया है।

8209837844 www.ugc-net.com

(16) मत्स्यपुराण-

इसमें पुराण के पाँचों लक्षण घटित होते हैं। इसमें 291 अध्याय और 14,000 श्लोक हैं। प्राचीन संस्करणों में 19,000 श्लोक मिलते हैं। इसमें 'जलप्रलय' का वर्णन हैं। इसमें कलियुग के राजाओं की सूची दी गई है। इसका रचनाकाल तीसरी शताब्दी माना जाता है।

8209837844 www.ugc-net.com

(17) गरुडपुराण-

यह वैष्णवपुराण है। इसके प्रवक्ता 'विष्णु' और श्रोता 'गरुड' हैं, इसे गरुड ने कश्यप को सुनाया था। इसमें विष्णुपूजा का वर्णन है। इसके दो खण्ड हैं, जिसमें पूर्वखण्ड में 229 और उत्तरखण्ड में 35 अध्याय और 18,000 श्लोक हैं। इसका पूर्वखण्ड 'विश्वकोशात्मक' माना जाता है।

8209837844 www.ugc-net.com

(18) ब्रह्माण्डपुराण-

इसमें 109 अध्याय तथा 12,000 श्लोक है। इसमें चार पाद है-

(क) प्रक्रिया, **(ख) अनुषङ्ग,**

(ग) उपोद्धात् **(घ) उपसंहार,**

इसकी रचना 400 ई.- 600 ई. मानी जाती है।

8209827844 www.ugc-net.com

॥उपपुराण॥

उपपुराण-

1. सनत्कुमार
2. नारसिंह
3. स्कान्द
4. शिवधर्म
5. आश्चर्य
6. नारदीय
7. कापिल
8. कल्कि
9. औशनस
10. ब्रह्माण्ड
11. वारुण
12. कालिका
13. माहेश्वर
14. साम्ब
15. सौर
16. पाराशर
17. मारीच
18. भार्गव

Next class....

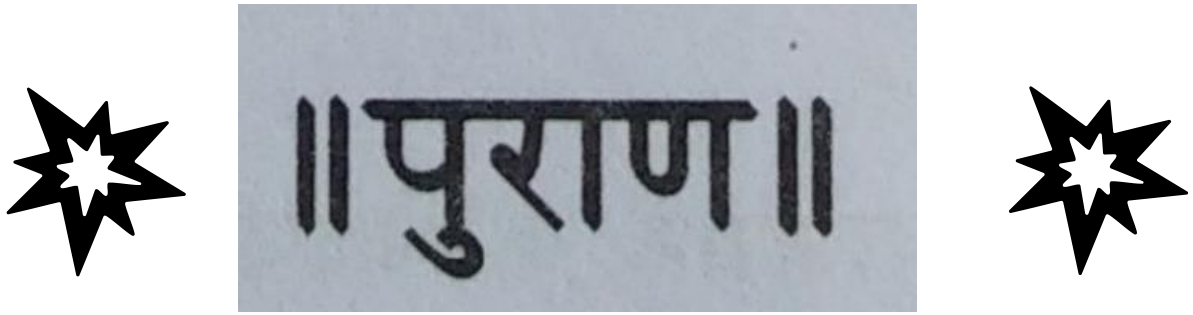

Home work Question....

8. 'सर्गश्च प्रतिसर्गश्च.....पुराणं पञ्चलक्षणम्' अत्र 'प्रतिसर्गः' शब्दस्य किं अर्थः ?

(A) उत्पत्तिः (B) स्थितिः

(C) प्रलयः (D) देवभूमिः

9. पुराणपञ्चलक्षणे नास्ति -

(A) वंशः (B) उत्सर्गः

(C) सर्गः (D) प्रतिसर्गः

FEEDBACK

- आपको ये क्लास कैसा लगा ??

📝Comment box में अपना comment कर के Next Class में आपका solution पाए 📑 📝

For More Information....

www.ugc-net.com

/Fillerform

/Fillerform

/Fillerform

info@fillerform.com

8209837844

जिसने भी खुद को खर्च किया है,
DUNIYA ने उसी को GOOGLE पर SEARCH किया है।।
www.fillerform.com
fillerform
2

THANK YOU